

# MATA SUNDRI COLLEGE FOR WOMEN



दिल्ली सरकार  
आर.टी.के.ए.ए.ए.

दिल्ली संस्कृत अकादमी  
मातासुन्दरीमहाविद्यालयस्य च संयुक्ततत्त्वावधाने समायोज्यमाना  
संस्कृतसङ्गोष्ठी  
“भारतीयज्ञानपरम्परा नाट्यशास्त्रञ्च”  
दिनाङ्कः 02/06/2023 पूर्वाह्नः 10:30 वादने

मुख्यातिथयः दिल्लीविश्वविद्यालयस्य संस्कृतविभागाध्यक्षाः  
प्रो० ओमनाथविमलीमहोदयाः  
अध्यक्षाः मातासुन्दरी महाविद्यालयस्य प्राचार्याः  
प्रो० हरप्रोतकीरमहोदयाः  
मुख्यवक्त्रा दिल्लीविश्वविद्यालयस्य संस्कृतविभागस्य आचार्याः  
प्रो० मीराद्विवेदीमहोदयाः  
विशिष्टातिथयः मातासुन्दरी महाविद्यालयस्य आ० गु० सु० समितिसमन्वयकाः  
डॉ० लोकेशकुमारगुप्तमहोदयाः  
सान्निध्यम् मातासुन्दरी महाविद्यालयस्य संस्कृतविभागस्य विभागाध्यक्षाः  
डॉ० कुलदीपकुमारसहायलमहोदयाः  
स्थानम् मातासुन्दरी-मार्गस्थ-मातासुन्दरी महाविद्यालयस्य सभागारम्,  
(समीपस्थम्-आई.टी.ओ.-स्थ-बालवनम्) नवदेहली-02  
तत्र भवतां भवतीनाञ्च हार्दिकं स्वागतम् ।

संयोजिका डॉ० हर्षा कुमारी  
प्राध्यापिका संस्कृतविभागस्य मातासुन्दरी महाविद्यालयस्य  
निवेदकः डॉ० अरुण कुमार झा  
सचिवः

## प्रतिवेदन

माता सुंदरी महाविद्यालय और दिल्ली संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्त्वावधान में "भारतीय ज्ञान परंपरा एवं नाट्य शास्त्र" विषय पर संस्कृत संगोष्ठी का आयोजन... मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ओमनाथ विमली, संस्कृत विभाग की प्रोफेसर मीरा द्विवेदी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुईं.

मुख्य अतिथि ओम नाथ विमली ने कहा कि नाट्यशास्त्र का गंतव्य मोक्ष तक पहुंचाना है...कॉलेज की प्राचार्या प्रो.हरप्रीत कौर ने कहा कि हम सभी को आधुनिक युग में भी अपनी संस्कृति को खोजने के लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रोफेसर मीरा द्विवेदी ने विज्ञान और तकनीक के इस आधुनिक युग में भारतीय नाट्य शास्त्र की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कॉलेज की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया